समय क्या इशारा कर रहा... उसे समझें...

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

अब जो बाकी का समय है उसमें से एक है अव्यक्त से अव्यक्त का मिलन, और साथ ही साथ जो बाबा कहते निराकारी मिलन। तो अपने आप को, समय को देखते हुए तैयार करना है कि मुझे अपनी स्थिति किस तरह की बनानी है।

अब समय के इशारे को तो आप सभी भी देख रहे हैं, महसूस कर रहे हैं कि समय बहुत तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। जिस तरह से समय रहते ही बच्चों को अव्यक्त बनाने का जो बाबा का संकल्प है उस कारण से ही बाबा ने अपना साकार का पार्ट बंद किया। क्योंकि बाबा जानते हैं अगर मैं नीचे जाता रहूँगा ये बच्चे इतने में रहेंगे कि बाबा तो आता है ना, बाबा तो आता है ना। तो अव्यक्त होने का पुरूषार्थ नहीं करेंगे। इसलिए बाबा ने अब ये जो साकार मुलाकात, या साकार में अव्यक्त मुलाकात को बंद किया है, वो इसलिए कि बाबा चाहते हैं कि अब बच्चे अव्यक्त में अव्यक्त मिलन करें। और जितने इसके अभ्यासी हम बनेंगे उतना ही ये सहजता से अंतिम समय से पहले स्वयं को तैयार कर सकेंगे। इसलिए बाबा ने पहले 33 साल तो साकार में मिलन किया। यानी ब्रह्मा बाबा के द्वारा शिव बाबा का मिलन होता रहा। वो साकार में साकार मिलन था।

फिर उसके बाद जैसे ही ब्रह्मा बाबा अव्यक्त हुए तो साकार में अव्यक्त मिलन चला। 49 वर्ष साकार में अव्यक्त मिलन चला। और अब जो बाकी का समय है उसमें से एक है अव्यक्त से अव्यक्त का मिलन, और साथ ही साथ जो बाबा कहते निराकारी मिलन। तो अपने आप को, समय को देखते हुए तैयार करना है कि मुझे अपनी स्थिति किस तरह की बनानी है। मैं समय के इशारे में बाहर के समय की बात तो नहीं कहूंगी क्योंकि वो तो मेरे से आप ज़्यादा अच्छे से जानते हैं कि बाहर समय के अन्दर क्या हो रहा है।

चाहे जो अंतिम समय के सारे नज़ारे कहो, जो बातें हैं वो तो प्रैक्टिकल में दिखाई दे रही हैं। लेकिन अब समय हमें क्या इशारा दे रहा है? समय के इशारे को अगर हमने नहीं समझा और अपनी स्थिति उस अनुसार नहीं बनाई तो उसके बाद तो भगवान भी कुछ नहीं कर सकता। इसलिए बाबा का आना बंद होना अब ये बाबा का इशारा है कि अब अव्यक्त में अव्यक्त मिलन करो। और फिर निराकार से निराकार मिलन करो। उसके लिए बाबा की मुरलियों में हम कई बार ये सुनते हैं कि बच्चे अभी ऐसा अभ्यास बढ़ाओ अपना, जो साकारी, आकारी, निराकारी, इसमें आना-जाना बहुत सहज हो जाये। उसके लिए जैसे बाबा हर अव्यक्त मुरली के बाद हम बच्चों को ड्रिल कराते हैं। ये ड्रिल क्यों कराते हैं? बाबा अभ्यास करा रहा है कि अंतिम समय में अगर ये अभ्यास होगा तो सहज ये अभ्यास खींचेगा। अभ्यास हमें उस स्थिति में खींचेगा। जिस तरह किसी व्यक्ति को कोई बात का अभ्यास होता है तो न चाहते हुए भी समय पर वो अभ्यास उसको खींच लेता है।

मिसाल के रूप में, जैसे दुनिया में आप देखते हो कि किसी को झूठ बोलने का बहुत अभ्यास होता है। बात-बात में झूठ बोलना है। तो जब समय आता है तो भी उसके अन्दर से कोई न कोई झूठ ही निकल जाता है। फिर अगर उसको याद दिलायें कि आपने ऐसा क्यों कहा सत्य बोल देते तो क्या होता! तो क्या कहते कि अगर झूठ बोला तो क्या हुआ? माना इतना झूठ बोलने का अभ्यास है उसको। तो वो अभ्यास बार-बार उसको खींचता है और उसी ट्रेंड में डाल देता है।

ठीक इसी तरह ही बाबा भी हम बच्चों को ये जो ड्रील कराते हैं और ये कहते हैं कि बच्चे एक सेकण्ड में अशरीरी हो जाओ, अभ्यास करो। क्योंकि अंतिम समय जो आयेगा, पेपर एक सेकण्ड का होगा और उस एक सेकण्ड के पेपर में ही अगर मुझे अशरीरी होने का अभ्यास होगा तो जैसे ही वो अंतिम घड़ी आयेगी तो हम सहज निराकारी होकर उड़ जायेंगे। और पास विद ऑनर हो जायेंगे। तो इसीलिए हमें ये अभ्यास डेवलप करना बहुत ज़रूरी है।

जैसे-जैसे समय आगे बढ़ता जाता है वैसे-वैसे हमारा अशरीरीपन का अभ्यास बढ़ना चाहिए या कम होना चाहिए? बढ़ना चाहिए ना। लेकिन हाँ दुनिया की परिस्थितियां भी ऐसी आ रही हैं जो क्या कर देती हैं? हिला देती हैं। और उस समय भूल जाते हैं कि अशरीरी होना है। तो स्मृति और विस्मृति का खेल होगा बस अंतिम समय।

- क्रमशः

नासिक-महा.। मुदखेड के योग शिविर में सहभागी बने ब्र.कु. भाई-बहनें, प्रशिक्षक के साथ मुख्य आयोजक ब्र.कु. पूजा दीदी तथा अन्य लोग।

हिंगणघाट-महा.। योग दिवस के कार्यक्रम में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन हिंगणघाट के अध्यक्ष डॉ. अविनाश खीलेकर का गुलदस्ता भेंट कर स्वागत करते हुए ब्र.कु. जयमाला बहन।

नरसिंहपुर-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वाधान में धूम्रपान निषेध दिवस के उपलक्ष्य में रेलवे स्टेशन प्रांगण में आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के शुभारंभ पर राजयोगिनी ब्र.कु. वंदना बहन, ए.डी.जे. सक्सेना, रेलवे स्टेशन मास्टर सुनील जाट, नगरपालिका अध्यक्ष नीरज महाराज सहित सैकड़ों लोग शामिल रहे।

पन्ना-म.प्र.। विश्व पर्यावरण दिवस पर पन्ना जेल में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित हैं जेल अधीक्षक आर.पी. मिश्रा, स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. सीता बहन तथा अन्य।

रतलाम-राजीव गांधी सिविक सेंटर(म.प्र.)। पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए वन परिक्षेत्र अधिकारी सीमा सिंह,सैलाना, वन परिक्षेत्र अधिकारी पुष्पलता मौर्य,रतलाम, उपवन क्षेत्रपाल कमल देवड़ा,जावड़ा, वनपाल नंदकिशोर करमैया,ताल, सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. मनोरमा दीदी तथा अन्य भाई-बहनें।

बेंगलुरु-बसवनगुडी(कर्नाटक)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा तम्बाकू निषेध दिवस पर बेंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन पर व्यसन मुक्त भारत अभियान के तहत व्यसन मुक्ति चित्र प्रदर्शनी लगाई गई। इस मौके पर व्यसन से मुक्त होने के इच्छुक लोगों को ब्र.कु. होम्योपैथिक डॉक्टर द्वारा परामर्श एवं निःशुल्क दवाई भी दी गई। 400 से अधिक लोगों ने इस कार्यक्रम का लाभ लिया।

मुम्बई-घाटकोपर। ब्रह्माकुमारीज़ के योग भवन,घाटकोपर सबज़ोन द्वारा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर फायर ब्रिगेड कार्यालय, बृहन्मुम्बई महानगरपालिका-एन वार्ड, जल विभाग और मुम्बई ट्रैफिक पुलिस के कर्मचारियों के लिए तम्बाकू सेवन के दुष्परिणाम और नशा मुक्ति के उपाय देने वाले जागरुकता सत्रों का आयोजन कर डॉक्टर्स एवं ब्र.कु. भाई-बहनों द्वारा सभी का मार्गदर्शन किया गया।

गाडरवारा-म.प्र.। ब्रह्माकुमारीज़ के प्रभु उपहार भवन सेवाकेंद्र में विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में गाडरवारा उप सेवाकेंद्र की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. उर्मिला दीदी, जल विभाग अधिकारी बहन श्रेया मिश्रा, समाजसेवी मनोज द्विवेदी एवं अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

राजनांदगांव-छ.ग.। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर जियो लाइफ एवं ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम में पौधारोपण करते हुए ब्र.कु. पुष्पा दीदी। साथ हैं ब्र.कु. झिलेश्वरी बहन, ब्र.कु. मुरलीधर सोमानी, द्वारिका भाई, झालम भाई, शुभम मिश्रा तथा अन्य।